महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार के अधीन स्वायत्तशासी संस्था)

Maharshi Sandipani RashtriyaVedavidya Pratishthan

(An autonomous organisation under Ministry of Education, Govt. of India)

पत्र सं. 2-8/2024(शै.)/मसारावेविप्र

दिनांक 05-03-2025

अधिसूचना 1634

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान एवं स्नातकोत्तर वेद विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी-752003 (ओड़िशा) के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 21 से 27 मार्च, 2025 तक देश के विभिन्न सामान्य विश्वविद्यालयों, संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालयों, वेद-संस्कृत-प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व में शोध कार्य करने के इच्छुक/ शोध कार्य कर रहे शोधार्थियों के लिए 7 (सात) दिवसीय वेद अनुसन्धान कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यशाला का उद्देश्य एवं अनुसंधान योजना –

1. वैदिक साहित्य में प्रतिष्ठापित मौलिक ज्ञान-ब्रह्माण्ड, सृष्टि, अग्नि, सूर्य, देवता, राष्ट्र, राजा, सभा, समिति, ग्राम, वनौषधि, जल, नदी, पर्वत, समुद्र आदि का विश्लेषण करते हुए आधुनिक समाज से जोड़कर उस मौलिक ज्ञान का सामंजस्य स्थापित कर वैदिक अनुसन्धाताओं को ज्ञान उपलब्ध कराना।
2. वैदिक साहित्य में निहित भारतीय संस्कृति की मूल संकल्पनाओं- संस्कारों, आचारों, विचारों, व्यवहारों को आधुनिक समाज से जोड़ते हुए अनुसन्धाताओं को अवगत कराना।
3. भारतीय विश्वविद्यालयों में वेद पर हुए अथवा हो रहे अनुसंधानों के विषयों की विविधता एवं उनकी गहराई से परिचित कराना एवं विदेशी विश्वविद्यालयों में सम्पन्न हुए अथवा हो रहे वैदिक अनुसंधानों पर प्रकाश डालना, सूची तैयार कराना तथा उनके वैश्विक मौलिक प्रभाव से अवगत कराना, ज्ञान के अन्य क्षेत्रों पर उन वैदिक अनुसंधानों के प्रभाव पर प्रकाश डालना।
4. वर्षों पूर्व प्रकाशित चारों वेदों के प्रकाशनों- मूल वेद संहिताओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों आदि का प्रकाशन एवं विविध भाषाओं में अनुवाद तथा वर्तमान में किये गये वेदों के प्रकाशनों से अवगत कराना ।
5. पूर्व में किये गये वेदों के प्रकाशनों में तथा गुरु परंपरा से प्राप्त पाठ में भेद होने पर उस पर पारंपरिक दृष्टि-पात करना तथा अनुसन्धाताओं को अवगत कराना।
6. वेदों का प्रयोग मूलक-यज्ञ में, उपासना में, कृषि आदि उपज में, मानसिक उपचार आदि में अनुसन्धान।
7. वेदों के पाण्डुलिपि संग्रह का परिचय, पाण्डुलिपि संग्रह स्थान, सूचियां एवं लुप्त वेद संहिताओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों आदि का अन्वेषण, प्राप्ति, संग्रह, संपादन, संरक्षण हेतु प्रेरणा ।
8. अनुसन्धाताओं को वैदिक-ऋषियों की यथार्थ दृष्टि एवं उन अभिव्यक्ति सम्बन्धी अनुसंधान से अवगत कराना।
9. वेदों के भाष्यकारों, विविध आधुनिक व्याख्याकर्ताओं, उपासकों, अनुसंधाताओं, तथा आधुनिक आचार्यों के महनीय कार्यों से अवगत कराना।
10. वेदों के कोष, बिब्लियोग्राफी, वोर्टरबुक, वैदिक कोष आदि अनुसन्धान उपकरण की जानकारी प्रदान करना।
11. वेदाङ्गों का परिचय, उनका प्रकाशन एवं अनुसन्धान दृष्टिपात।
12. वेदविद्या के संरक्षण हेतु समस्त वेद अनुसन्धाताओं में अभिज्ञता की वृद्धि करना।
13. अनुसन्धान कार्यशाला की अवधि 7 दिन निर्धारित की गई है। जिसके अन्तर्गत मात्र 28 (अट्ठाईस) व्याख्यान प्रस्तावित हैं जो प्रतिष्ठान द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम संरचना के आधार पर आयोजित होंगे। सभी व्याख्यानों में प्रतिभागियों को उपस्थित रहना होगा। कार्यशाला के बीच में छोड़ने पर प्रमाण-पत्र नहीं दिया जायेगा।

14. वेदों के अनुसन्धान, प्रचार-प्रसार की दृष्टि से ही यह कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रतिभागियों के लिए यह कार्यशाला पूर्णतः निः शुल्क रहेगी।
15. न्यूनतम 20 से अधिक प्रतिभागी होने पर ही कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रतिभागी विश्वविद्यालयों में अथवा पारंपरिक उच्च शिक्षा संस्थानों में वेद विषय अथवा वेद संबद्ध विषयों के अनुसन्धाताओं को वरीयता रहेगी।

इस कार्यशाला में वेद-संस्कृत-प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व में एम.फिल् अध्ययनरत/ एम.फिल् उत्तीर्ण अथवा पीएच्.डी शोधकार्य करने के इच्छुक शोधार्थी भाग ले सकेंगे। शोधार्थियों की अधिकतम संख्या 30 रहेगी। अनुसंधाताओं को रेलयान (राजधानी को छोडकर) 3rd AC का किराया दिया जाएगा। यात्रा बिल के साथ मूल टिकट संलग्न करना अनिवार्य रहेगा। वेद अनुसन्धान कार्य के लिए इच्छुक शोधार्थी प्रो. शत्रुघ्न पाणिग्राही, संस्था प्रमुख, स्नातकोत्तर वेद विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी मो.न. 8000124893 एवं डॉ. चंदन कुमार मिश्र मो.नं. 9874367571 से सम्पर्क कर सकते हैं। प्रतिभागी शोधार्थियों को संलग्न प्रपत्र में जानकारी भरकर email - cmishra59@gmail.com पर दिनांक 15 मार्च, 2025 तक प्रेषित करना अनिवार्य है। संस्था में प्रथम प्राप्त आवेदन-पत्रों के वरीयता क्रम में शोधार्थियों को कार्यशाला में सहभागिता हेतु प्राथमिकता दी जाएगी।

संलग्न :- आवेदन-पत्र।

भवदीय,

(प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्)
सचिव

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

एवं

स्नातकोत्तर वेद विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी-752003 (ओड़िशा)

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कार्यशाला

दिनांक 21 से 27 मार्च, 2025 तक

कार्यशाला में भाग लेने वाले शोधार्थी की जानकारी का विवरण

1. शोधार्थी का नाम - _____
2. शैक्षणिक योग्यता - _____
3. पता (पिन कोड सहित) - _____

   _____

   _____
4. मोबाइल नं. - _____
5. ईमेल - _____
6. अन्य जानकारी - _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____